दिनाँक 15 नवम्बर, 2017 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में 'मैन्टरिंग द मैन्टोरस' की कड़ी में "भारत में उच्चतर शिक्षा की स्थिति : प्राध्यापकों का उत्तरदायित्व एवं भूमिका" आदि विषयों पर महाविद्यालय के प्रवक्तागणों के लिए एक वार्ता का आयोजन किया गया। वक्ता के रूप में डॉ. रविन्द्र विनायक (Director, Delhi School of Professional Studies and Research, Former Dean Academic Affairs M.D. University, Rohtak) उपस्थित थे। उन्होंने कहा शिक्षक हमारे राष्ट्र की भावी पीढ़ी के निर्माता हैं। शिक्षक अध्यापन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराके उन्हें सुसंकृत बनाकर राष्ट्रीय उत्थान में विशेष योगदान देते हैं। अतः समाज निर्माण में शिक्षक की भूमिकाा अद्वितीय है। उसे चुनौतियों में से ही अवसर ढूँढने होंगे। इसी उद्देश्य से अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रवक्तागणों के प्रशिक्षण हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ–साथ नवनिर्वाचित Indian Commerce Association के सचिव डॉ. एन. के. गर्ग (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में वाणिज्य विभागध्यक्ष, वर्तमान में Dean Academic Affairs I.G.University, Meerpur, Rewari) को भी सम्मनित किया गया। इस अवसर पर डॉ. संकेत विज़, श्रीमती प्रिया विज़, प्रो. अंजना गर्ग उपस्थित थे। अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य और अग्रवाल महाविद्यालय Teaching Association ने महाविद्यालय में विभिन्न–विभिन्न विभागों (संस्कृत, इतिहास, वाणिज्य, गणित और विज्ञान) में नव नियुक्त प्रवक्ताओं का भी स्वागत किया। महाविद्याालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता जी ने डॉ. एन.के गर्ग को सम्मानित करते हुए स्वागत किया और 9 नवनिर्वाचित प्रवक्ताओं के सम्मान में कहा कि हर आने वाले से अपेक्षाएँ और उम्मीदें बहुत होती हैं। इसी दृष्टिकोण से यह वार्ता आयोजित की गई है ताकि हमारे शिक्षक अपने लक्ष्य में सफल हो।

इस कार्यक्रम में डॉ. उषा अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर

श्रीमती किरण आनन्द, डॉ. के.एल. कौशिक और महाविद्यालय के सभी प्रवक्ता उपस्थित थे ।